RAJ COMICS
राज
कॉमिक्स
BY MANOJ GUPTA

सुपर कमांडो ध्रुव

A PRATAP MULICK

मैंने तुमको कितनी बार समझाया, ध्रुव कि ब्लैक कैट को अपना रास्ता मत काटने दो।

लेकिन तुमने मेरी बात नहीं मानी!

और आज मुझे मजबूर होकर तुमको इस हालत में पहुँचाना पड़ा...(सुबुक)!

कथा एवं चित्र-अनुपम सिन्हा।
संपादन- मनीष गुप्ता।

राजनगर में वैसे तो रात दस बजे के बाद जवान होनी शुरू होती है।
पर शरीफ लोगों के इलाके में सड़कें जल्दी वीरान हो जाती हैं।
इसीलिए इस इलाके की इमारतों के चौकीदार भी ज्यादा सतर्क नहीं रहते हैं।
अक्!
नतीजा खतरनाक होता है।
यही वाला फ्लैट है!
4D
इसको खोलने के लिए मास्टर चाबी तो मेरे पास है।
पर पहले नींद की गैस का कैप्सूल अंदर फेंक दूं!
और जब वह शख्स दरवाजा खोलकर अंदर घुसा, तो चारों तरफ सन्नाटा था।
रहस्यमय आकृति सिर्फ दो मिनट के लिए अंदर रुकी।
4D
और फिर वह जिस खामोशी से अंदर घुसा था...
उसी खामोशी के साथ अंधेरे में गायब हो गया।
हर महानगर की तरह, राजनगर में भी सुबह, भीड़-भाड़ के साथ शुरू होती है।
हर आदमी को काम पर पहुंचने की जल्दी रहती है।
BUS-STAND
ONLY RAJ COMICS

पर किसी दिन -
क्लिक
कुछ लोग काम पर नहीं पहुंच पाते।
ऑफिस के बजाए वे पहुंच जाते हैं...
तड़ तड़ तड़ तड़
श्मशान या कब्रिस्तान-
और किसी को यह पता ही नहीं रहता कि आखिर मरने वाले का दोष क्या था।
पुलिस डिपार्टमेंट में हड़कंप मच गया।
अब इस शहर में अपराधी ए॰ के॰56 राइफल लेकर घूमते हैं।
आखिर ये राइफलें उनके पास आती कहां से हैं ?
अभी तक किसी भी आतंकवादी गुट ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है, सर।
पांच आदमी मारे गए हैं। और हमको कातिल के मकसद तक का पता नहीं है।
तभी-
ट्रिन ट्रिन
हैलो ! आई॰ जी॰ राजन हियर।

राजन साहब, मुझे तुमको मांडा बस स्टैण्ड पर हुए हत्याकांड के बारे में जानकारी देनी है।
कौन हो तुम? कहां से बोल रहे हो?
सवाल छोड़ो! जवाब सुनो। मुझे हत्यारे के बारे में नहीं पता।
पर मुझे यह पता है कि वह ए.के.56 राइफल कहां से आई, और उसे कौन लाया है।
कौन लाया है?
PUBLIC BOOTH
नाम सुनकर आई० जी० साहब की आंखें फट पड़ीं।
क्या?
क्या तुम सच...! अरे, फोन कट गया!
यकीन नहीं हो रहा है! पर छानबीन तो करनी ही पड़ेगी।
नताशा आज, दरवाजे की घंटी सुन कर उठी थी।
ट्रिर्र्र्र्र्र्
ओह! साढ़े आठ बज गए।
पर मेरी नींद तो अपने आप छः बजे खुल जाती है।
लेकिन यह सुबह-सुबह कौन आ धमका?
अरे!
अंकल, आप!
कोई खास बात है क्या?
हमारे पास तुम्हारे फ्लैट की तलाशी का वारंट है, नताशा!
तलाशी? शौक से लीजिए! पर क्यों?
पर नताशा को कोई जवाब नहीं मिला।
उसकी आंखों के सामने, स्पेशल पुलिस दस्ता उसके फ्लैट को तहस नहस करने लगा।

और सिर्फ पांच मिनट बाद।

खबर सही थी सर!

यह ए॰ के॰56 राइफल, अलमारी के पीछे पड़ी थी।

ए॰ के॰56 राइफल! यह... यह यहां पर कैसे आई?

यह मेरी नहीं है, अंकल! मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता!

तब तो तुमको यह भी पता नहीं होगा, मिस नताशा, कि तुम दुनिया के सबसे खूंखार आतंकवादी ग्रैंड मास्टर रोबो की बेटी हो!

और काफी समय तक तुम उसकी खूंखार टेररिस्ट फोर्स की कमांडर थीं।

यह बात इनको कैसे पता चली? यह रहस्य तो सिर्फ ध्रुव और श्वेता को मालूम है!

क्या ध्रुव ने यह बात अपने डैडी को बता दी है? श्वेता तो मेरा रहस्य किसी को नहीं बताएगी।

क्योंकि मैं भी उसका यह रहस्य जानती हूं कि श्वेता ही चंडिका है।

हम तुमको आतंकवादी निरोधक कानून 'टाडा' के अंतर्गत गिरफ्तार करते हैं, मिस नताशा।

इस षड्यंत्र के पीछे किसी का हाथ है! और जब तक मैं उसका पता नहीं लगा लेती...

...तब तक मुझे कोई गिरफ्तार नहीं कर सकता।

हमको बल प्रयोग करनेपर मजबूर मत करो, नताशा!

हम नहीं चाहते कि तुमको कोई चोट पहुंचे।

मैं अपनी बीती ज़िंदगी भूल चुकी थी।

पर तुमलोगों ने मुझे उसकी याद दिला दी है।

कमांडर नताशा को तुम्हारी टटपूंजिया पुलिस हाथ भी नहीं लगा सकती, आई॰ जी॰!

अरेस्ट हर!

और कमरे में तूफान फट पड़ा –
तड़ाक
धाड़
नताशा को कमांडर बनाने के लिए ग्रैंड मास्टर रोबो ने, न जाने कितनी अग्नि परीक्षाओं से गुजारा था।
खड़ाक
और आज वह सारी ट्रेनिंग नताशा के दिमाग में ताजा हो रही थी।
नताशा का रौद्र रूप देखकर, आई. जी. राजन हैरान थे।
आऊ
खटाक
उनकी 'स्पेशल फोर्स' नताशा के सामने असहाय सिद्ध हो रही थी।
अब नताशा को घायल करके बंदी बनाने के अलावा, और कोई चारा नहीं था।
पर रिवॉल्वर की लिबलिबी दब पाने से पहले ही–
?
नताशा, बिजली की तरह लपकी
छनाक
और आई. जी. राजन के रिवॉल्वर को लेकर नताशा का शरीर, खिड़की के पार हो गया।

पुलिस फोर्स के संभल पाने से पहले, नताशा गायब हो चुकी थी।
पर यह सारा दृश्य बड़े ध्यान से देखा जा रहा था।
...और फिर नताशा को पुलिस की कैद से छुड़वाना!
वेरी गुड! प्लान का पहला हिस्सा पूरा हो चुका है। पुलिस को, नताशा के अपराधी होने का यकीन हो गया है।
अब मेरा पहला काम, नताशा को पकड़वाने में पुलिस की मदद करना है...
आखिर कौन है यह शख्स?
और इस अजीबो गरीब स्कीम से यह क्या हासिल करना चाहता है?
राजनगर में हर दो मिनट पर एक अपराध होता है।
पर यहां की पुलिस भी उतनी ही चौकन्नी है।
मुन्नी!
यह नाटक न जाने कब तक चलता।
पर भगवान की इस दुनिया में शैतानों के साथ-साथ फरिश्ते भी बसते हैं।
तुम यहां से बचकर नहीं जा सकते।
आत्मसमर्पण कर दो। और चुपचाप हमारे साथ चलो।
मैंने यहां डकैती आत्मसमर्पण करने के लिए नहीं डाली है।
यहां से तो मैं जाऊंगा ही।
और अगर किसी ने मुझे रोकने की कोशिश की...
...तो इसका भेजा सड़क पर बिखेर दूंगा।
धड़ाक
सुपर कमांडो ध्रुव!
धक्क

नाटक शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया।
भाड़
पर तभी-
अब एक आवश्यक सूचना सुनें...
एक खतरनाक महिला आतंकवादी नताशा, जिसका संबंध अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी ग्रैंड मास्टर रोबो से है, पुलिस हिरासत से भाग निकली है।
नताशा
जनता से अनुरोध है कि इसको देखते ही...
नताशा! आतंकवादी! यह कभी नहीं हो सकता!
यह असंभव है!
श्वेता भी समाचार सुनकर उछल पड़ी।
मेरी बेस्ट फ्रेन्ड नताशा! और आतंकवादी!
यह नहीं हो सकता! वह मुसीबत में लगती है! मुझे उसकी मदद करनी होगी!
इस खबर का किसी और को बरसों से इंतजार था।
ग्रैंड मास्टर रोबो! आखिरकार मुझे वह सूत्र मिल ही गया, जो मुझे उस महान आतंकवादी तक पहुंचाएगा।
मुझे इस लड़की को पुलिस की कैद से छुड़वाना होगा!
लेकिन उससे पहले मुझे अपने लिए कुछ और तैयारी करनी पड़ेगी।
उसके बाद मुझे कोई भी रोक नहीं पाएगा...

☆ कैसे? जानने के लिए पढ़ें -'सुपर कमांडो ध्रुव और ग्रैंडमास्टर रोबो'

कुछ ही मिनटों बाद- ध्रुव के स्पेशल जासूसों की टुकड़ियां अपने काम पर निकल पड़ी थीं।

मैंने इनको नताशा और उस हत्यारे का हुलिया समझा दिया है।

और इनकी नजरों से कोई नहीं बच सकता!

नताशा के दिमाग में भी कई सवाल घूम रहे थे।

मुझे दो सवालों के जवाब ढूंढने हैं।

पहला यह कि मेरे घर में राइफल कैसे पहुंची?

और दूसरा यह कि आई. जी. राजन को मेरे भूतकाल के बारे में कैसे पता चला?

ब्लैक कैट भी व्यस्त थी।

इस जगह पर मैं बहुत दिनों से नजर रखे हुए थी। क्योंकि मुझे मालूम है कि ये आतंकवादियों का एक गुप्त अड्डा है।

अब यहीं से मुझे अपने काम को पूरा करने के लिए, बंदूकें और गोले बारूद मिलेंगे।

आतंकवादी खुद चक्कर में थे।

मांडा बस स्टॉप पर आखिर गोलियां चलाईं किसने?

बारूद

हमने तो नहीं चलाईं!

अब तुम लोग, गोलियां कभी चला भी नहीं पाओगे!

क्योंकि तुम्हारी बंदूकें मैं ले जा रही हूं!

ध्रुव तक, नताशा की खबर पहुंचने से पहले एक दूसरी खबर पहुंच गई थी।
क्या? कुछ बंदूकधारी कोचपाड़ा में एक साथ बैठे हुए हैं!
भौं भौं भौं
ये आतंकवादियों के अलावा और कोई नहीं हो सकते!
मांडा बस स्टॉप की हरकत इन्हीं की कारस्तानी होगी, मुझे रास्ता दिखाओ, दोस्त!
आतंकवादी हैरान थे।
तू कौन है?
यहां तक कैसे पहुंच गई?
ब्लैक कैट को तुम लोगों के बारे में कई दिन से पता था!
पर अभी तक मुझे बंदूकों की जरूरत नहीं पड़ी थी।
आतंकवादियों ने सोचने में एक पल का समय भी नहीं लिया।
भून दो इसको!
परंतु ब्लैक कैट इस दिन के लिए सालों से तैयारी कर रही थी।
तड़ तड़ तड़
तड़
तड़ाक
आज उसके इम्तहान का दिन था।
आतंकवादियों की बंदूकें, ब्लैक कैट की फुर्ती के आगे बेकार थीं।

सिर्फ ब्लैक कैट के, स्टील के पैने पंजे हवा में चमक रहे थे।
खचाक
थोड़ी ही देर में - कमरे का टूटा-फूटा फर्श आतंकवादियों के खून से तर हो गया।
ब्लैक कैट अपने पहले ही इम्तहान में पूरे नंबरों से पास हुई थी।
जरूरत लायक बंदूकें और गोला बारूद तो मैंने ले लिया है!
अब यहां से... अरे! बाहर तो कोई मोटर साइकिल आकर रुकी है।
घड़ घड़ घड़
यह ध्रुव की मोटर साइकिल थी।
अरे! दरवाजे से खून बहकर बाहर आ रहा है!
यानि अंदर कुछ गड़बड़ हुई है!
अब प्लान बनाने का वक्त नहीं है!
भड़ाक
ध्रुव ने तेजी से दरवाजा खोला।
और गोलियों की बौछार से बचने के लिए उसका शरीर जमीन पर आ गिरा...
पर सावधानी व्यर्थ थी।
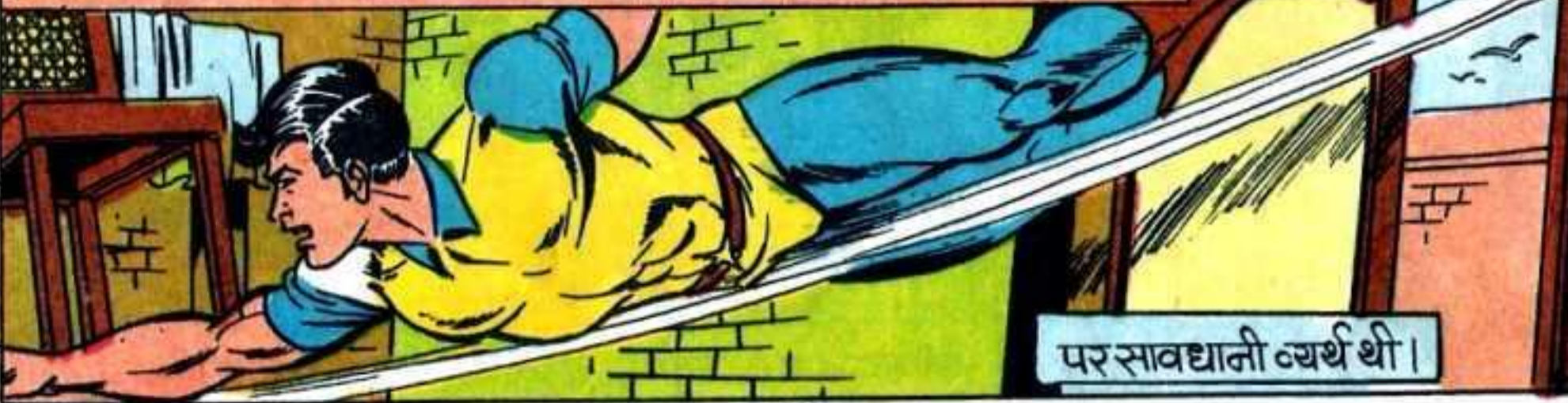
क्योंकि सारे आतंकवादी फर्श पर पड़े कराह रहे थे -
कराह
ईयआ
आह
इनकी ये हालत किसने...
अरे! खिड़की से कोई बाहर भाग रहा है।
ध्रुव तेजी से बाहर लपका -
यह तो एक लड़की है! और यह आतंकवादियों की बंदूकें लेकर भाग रही है।
पर यह तो आश्चर्यजनक गति से भाग रही है।
इसकी कलाबाजियां बता रही हैं कि यह जिम्नास्टिक की उस्ताद है।
पर मैं इसको भागने नहीं दूंगा।
कुछ ही पलों बाद ब्लैककैट के सामने था -
ध्रुव!
तो तुम मुझको जानती हो?
ठक
तुमको कौन नहीं जानता, ध्रुव?
मैं तो तुम्हारी जबर्दस्त फैन हूं! प्रशंसक!

तो फिर मुझको जल्दी से यह बता दो कि तुमने ये बंदूकें किस मकसद से आतंकवादियों से छीनी हैं?
मेरा मकसद, तुम समझ नहीं पाओगे, ध्रुव!
इसलिए बेहतर है, कि न तो ब्लैक कैट का रास्ता काटो...
...और न ही ब्लैक कैट को अपना रास्ता काटने दो।
यह नहीं हो सकता ब्लैक कैट!
मैं तुमको ये अवैध हथियार लेकर नहीं जाने दे सकता।
मैं तुमको चेतावनी दे चुकी हूं ध्रुव!
अब नतीजे के तुम खुद जिम्मेदार हो!
धड़ाक
यह सिर्फ ध्रुव की ही फुर्ती थी, कि वह अपनी आंखों को पैने पंजों की धार से बचा पाया।
पर बचने के चक्कर में वह अपना संतुलन खो बैठा।
और अगला वार वह नहीं बचा पाया।
गिरते-गिरते भी ध्रुव ने भागती हुई ब्लैक कैट की टांग पकड़ ली।
मान जाओ, ध्रुव...
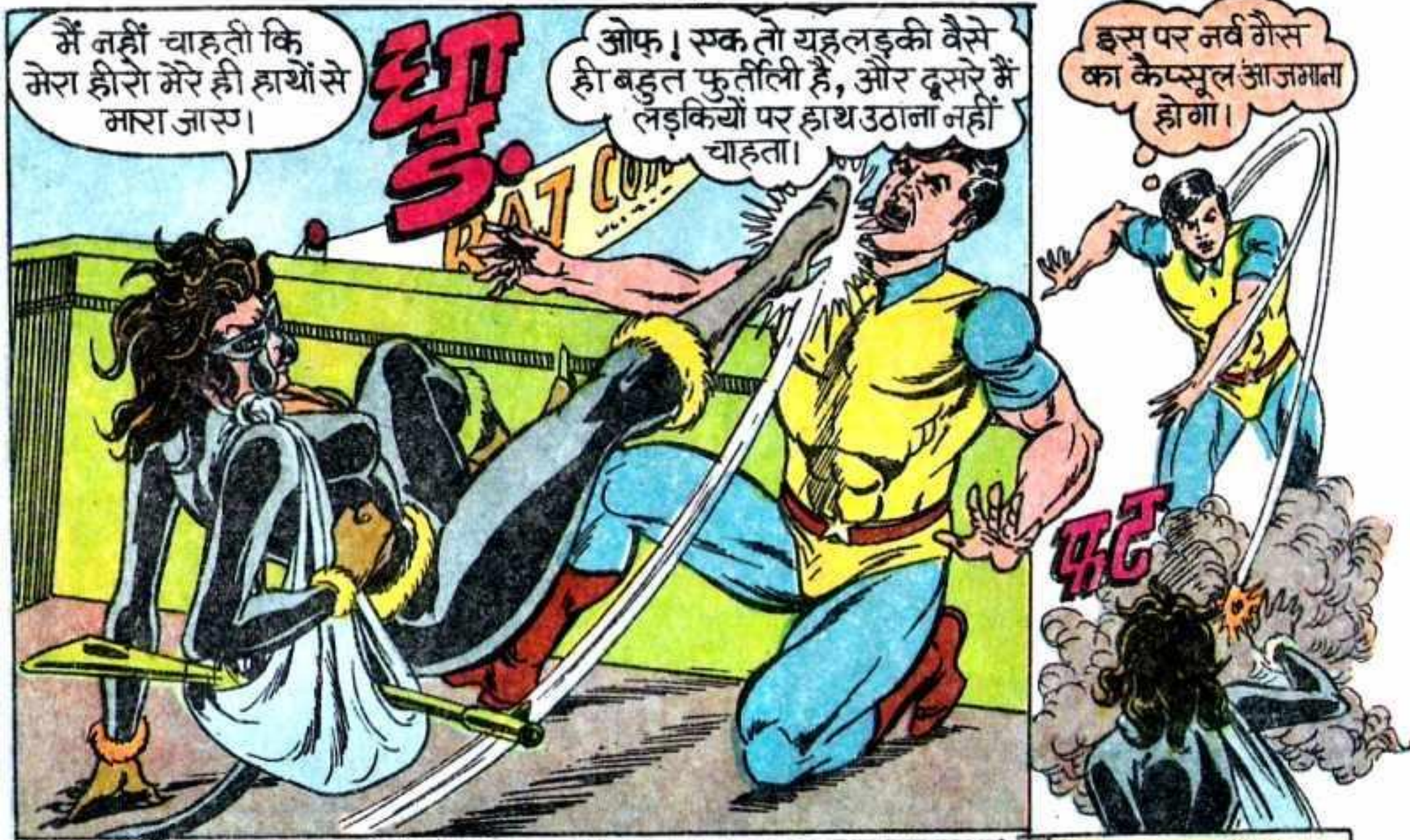
मैं नहीं चाहती कि मेरा हीरो मेरे ही हाथों से मारा जाए।
धाड़
ओफ़! एक तो यह लड़की वैसे ही बहुत फुर्तीली है, और दूसरे मैं लड़कियों पर हाथ उठाना नहीं चाहता।
इस पर नर्व गैस का कैप्सूल आजमाना होगा।
फट
कैप्सूल फटते ही ब्लैककैट का चेहरा जहरीली गैस से घिर गया। पर-
यह गैस मुझपर बेअसर है, ध्रुव---
...क्योंकि मेरी नाक में गैस फिल्टर, फिट है।
बाय, बाय, ध्रुव!
अभी मैं जरा व्यस्त हूं।
तुम्हारे ऑटोग्राफ लेने फिर कभी आऊंगी।
ब्लैक कैट एक गलती कर गई थी।
वह एक ऐसे रास्ते से भागने की कोशिश कर रही थी।
जिस पर चलने में ध्रुव को महारथ हासिल थी।

अब मैं इसको बगैर हाथ लगाए, काबू में कर सकता हूं।
ध्रुव रस्सी पर कूदा...
...और ब्लैक कैट असंतुलित होकर नीचे गिरने लगी।
राज कॉमिक्स
उसका शरीर, कपड़े के दो बैनरों के बीच में आ फंसा।

इससे मैं निपट लूंगी, ध्रुव।
चंडिका! तुम बड़े सही वक्त पर आ गई।
ब्लैक कैट को, चंडिका के हवाले करके, ध्रुव तेजी से...
...चिड़िया के साथ-साथ, नताशा की तरफ बढ़ चला।
ब्लैक कैट को वह मौका मिल गया, जिसकी उसे तलाश थी।
उसका शरीर गोल-गोल घूमकर...
क़ैद से आजाद हो गया।
हैल्लो, मिस चंडिका।
आज तो बड़े-बड़े लोगों से जान-पहचान हो रही है।
मैं ध्रुव के पीछे किसी और मकसद से लगी थी, ब्लैक कैट!
पर तुम्हारी हरकतें देख कर यहीं रुक जाना पड़ा।
तो फिर तुमने यह भी देख लिया होगा, कि ध्रुव का मैंने क्या हाल किया था।
ध्रुव लड़कियों पर हाथ नहीं उठाता! और तुमने इसका फायदा उठाया।
पर मेरे साथ, ऐसी कोई समस्या नहीं है।

मैं हाथ के साथ-साथ पैर भी उठा सकती हूं!
धड़ाक
ध्रुव, पक्षी के पीछे पीछे, नताशा की तरफ बढ़ रहा था।
और कोई ध्रुव के पीछे-पीछे नताशा की तरफ।
अरे! यह चिड़िया तो मुझको पुराने शहर में ले आई है।
जहां चैंपियन किलर, नताशा को बंदी बनाकर लाया था।☆
छिपने के लिए, नताशा ने परफैक्ट जगह ढूंढ़ी है।
नताशा, एक निर्णय पर पहुंच चुकी थी।
यहां बैठे-बैठे मैं कुछ नहीं कर सकती!
अपने दुश्मन का पता लगाने के लिए मुझे बाहर निकलना ही पड़ेगा।
और उसके लिए अपना भेष बदलना...
नताशा!
यह तो ध्रुव की आवाज है!
आहा! तो सुपर कमांडो ध्रुव ने मुझे ढूंढ़ ही निकाला! पुलिस लेकर आए होगे?
मैं अकेला ही आया हूं, नताशा! तुमसे सच जानने के लिए!
सच तो तुम मुझे बताओगे!
क्योंकि अब मुझे यकीन होता जा रहा है कि तुमने ही मेरा यह रहस्य खोला है...
☆ पढ़ें- सुपर कमांडो ध्रुव और चैंपियन किलर.

...कि मैं ग्रैंडमास्टर रोबो की बेटी हूं।
हा हा ! मुझे ध्रुव पर पूरा भरोसा था कि वह नताशा को ढूंढ निकालेगा !
इसीलिए मैं उसके पीछे लगा था, अब पुलिस को संदेश भेजने का समय आ गया है।
मैं जानता हूं कि तुम निर्दोष हो नताशा,
पर भागने से पुलिस को तुम्हारे अपराधी होने का यकीन हो गया है।
तुम फिलहाल अपने आपको पुलिस के हवाले कर दो।
अब मैं इन लच्छेदार बातों में नहीं आऊंगी।
मैं समझ गई हूं कि तुम्हारा मकसद मुझे पुलिस के हवाले करना है।
अब मैं तुमको यहां से जाकर, पुलिस को अपने बारे में बताने की इजाजत नहीं दे सकती।
नताशा सभी को अपना दुश्मन समझ बैठी है।
इससे पहले कि यह सचमुच अपराधियों जैसी हरकत कर बैठे...
मुझे इसे रोकना होगा!
सीटी बजते ही-
स्वैक
- नताशा के हाथ से, रिवॉल्वर अलग हो गई।
पर साथ ही साथ- ध्रुव को भी छत सूंघनी पड़ गई।
ताड़

एक बात तो माननी पड़ेगी।
इतने दिनों में भी नताशा अपनी ट्रेनिंग नहीं भूली है।
सांय
लेकिन शायद अब मुझे लड़कियों पर हाथ न उठाने वाली कसम को भूलना पड़ेगा।
राजनगर में एक और लड़ाई जोर पकड़ रही थी।
यह चंडिका तो वाकई चंडिका है।
मुझे संभलने का मौका ही नहीं दे रही है।
भड़ाक
मुझे ठीक से लड़ने के लिए जगह बनानी पड़ेगी।
ब्लैक कैट का बदन उछलकर दीवार से जा चिपका। स्टील के पंजे, दीवार में कील की तरह गड़ गए।
और चंडिका के शरीर से एक भीषण वार आ टकराया-
ताड़
चंडिका और ब्लैक कैट, दोनों ही बढ़िया फाइटर थीं।
फर्क सिर्फ इतना था।
ठक
कि चंडिका का मकसद, अपने दुश्मन को चोट पहुंचाना नहीं होता था-
जबकि, ब्लैक कैट का एक ही मकसद था।
दुश्मन को नेस्तनाबूद कर देना।
तड़ाक

चंडिका लड़खड़ा गई।
और उसके संभलने से पहले ही -
ब्लैक कैट, अपने शरीर को, बिल्ली की तरह सिकोड़ कर पार्क की ऊंची रेलिंग के बीच से निकल चुकी थी।
?
ओह! मैं तो ध्रुव के पीछे नताशा को ढूंढ़ने के कारण लगी थी।
इस कैट के चक्कर में नताशा तो हाथ से गई ही गई...
यह मुई काली बिल्ली भी मुझे पीट कर भाग निकली।
ध्रुव, नताशा को ढूंढ़ कर भटकता रहा था।
मेरे पास "नर्व गैस" का एक ही कैप्सूल था। और उसे मैंने ब्लैक कैट पर बेकार कर दिया।
धाड़
मैं नताशा पर सीधा वार तो नहीं कर सकता।
पर इसको मजबूर तो कर ही सकता हूं...
कि यह अपने ही वारों से चोट खा जाए।
ठडाक
आगे पता नहीं क्या होता।
पर सायरनों की आवाजों ने इस लड़ाई को यहीं रोक दिया।
व्हीं व्हीं व्हीं व्हीं व्हीं
POLICE
पुलिस!
तुम पुलिस को साथ लेकर आए थे?
तुमने मुझसे झूठ बोला, ध्रुव।

नहीं, नताशा! यह किसी और की...
अरे! वह ओवरकोट वाला आदमी! इसका हुलिया तो उस हत्यारे से मिलता जुलता है।
नताशा को संभल पाने का वक्त नहीं था।
ध्रुव तेजी से उस रहस्यमय आदमी की तरफ लपका-
घर्रर्र्र्र
पर, कार के आगे बढ़ पाने से पहले -
लेकिन तब तक वह आदमी कार में बैठ चुका था।
- ध्रुव कार की छत पर था।
धम्म
और उसका शक्तिशाली पंजा, उस आदमी के ओवर कोट पर कस चुका था।
परतभी- कार तेजी से एक तरफ लहराई-
घर्रर्र्र्र
धड़ाम
और ध्रुव, हाथ में ओवरकोट का फटा टुकड़ा लेकर, सड़क पर आ गिरा।
देखते ही देखते कार नजरों से ओझल हो गई।
कार पर कोई नंबर नहीं था।
इसी दौरान - नताशा पुलिस की गिरफ्त में आ चुकी थी।

और अब तक उसको पूरा यकीन हो चुका था, कि अब कोई भी उसके साथ नहीं है।
ध्रुव भी नहीं।
ह्वींः ह्वींः ह्वींः ह्वींः
लेकिन ध्रुव को नताशा के निर्दोष होने का पूरा भरोसा था।
वह रहस्यमय आदमी! वही इस सारे षड्यंत्र की कुंजी है।
मुझे छानबीन वहीं से शुरू करनी पड़ेगी, जहां से यह केस शुरू हुआ है! यानि...
नताशा का फ्लैट -
मैंने अब तक नौकरी जाने के डर से किसी को नहीं बताया, साब! पर आप पर मुझे पूरा भरोसा है।
राइफल मिलने के एक रात पहले एक लम्बा सा आदमी, ओवर कोट पहने आया था। उसने मुझे बेहोश कर दिया।
पर बेहोश होने से पहले मैंने उसको नताशा मेमसाब के फ्लैट की तरफ जाते देखा था।
उसके हाथ में, कपड़े में लिपटा एक डंडा भी था
वह जरूर राइफल होगी।
यानि उसी आदमी ने राइफल, यहां पर रखी थी।
पर क्यों?
अब रात हो रही है!
कल सुबह मैं अपने जासूसों की टोली को, फिर से उस आदमी की खोज पर लगा दूंगा।
पर पहले मुझे नताशा से पूछना होगा, कि क्या वह किसी ऐसे लंबे आदमी को जानती है।
जो उसका दुश्मन हो!
पर वह लंबा आदमी सुबह तक रुकने वाला नहीं था।
रोबो बॉस! चिड़िया पिंजरे में आ चुकी है! बताइए अब क्या करना है?
पुलिस स्टेशन

मेरा नाम मत ले, मूर्ख!
उसको तुरंत वहां से निकाल ले!
जो आज्ञा, सर!
कपड़े उतरे।
पर वह आगे नहीं बढ़ पाया।
एक काली आकृति उसके सामने खड़ी थी।
अरे! तू मेरा रास्ता रोकने की हिम्मत कर रही है?
रास्ता छोड़ कर हट जा, लड़की!
वर्ना आज रात प्लास्टो का पहला शिकार तू ही बनेगी!
और एक खतरनाक आकृति रोशनी में नहा गई। जिसकी पारदर्शक खाल से अंदर का हर अंग साफ नजर आ रहा था।
मैं जानती हूं, कि तुम रेबो के आदमी हो, प्लास्टो।
और नताशा को पुलिस की कैद से आजाद कराना चाहते हो!
पर इस काम को करने के लिए तुमको, ब्लैक कैट की मदद की जरूरत पड़ेगी।
मेरे शरीर की सारी खाल, एक दुर्घटना में जल जाने के बाद, रेबो सर के वैज्ञानिकों ने जली खाल हटाकर, मेरे शरीर को, बुलैट प्रूफ प्लास्टिक से ढक दिया है।
पुलिस के ये भुनगे मेरा सामना नहीं कर पाएंगे।
पर पुलिस, संख्या में बहुत ज्यादा है! वे तुम पर हावी हो जाएंगे!
मेरी बात मान जाओ!
पुलिस स्टे
लेकिन इससे तेरा क्या फायदा है? बदले में तू क्या चाहती है?

ग्रैंडमास्टर रोबो की गुलामी! मैं उस महान आतंकवादी के पैर धो-धोकर पीना चाहती हूं।
क्योंकि मुझे भी उन जैसा ही बड़ा आतंकवादी बनना है!
ठीक है! अपना प्लान बता!
और कुछ ही मिनटों बाद-
एक बिल्ली, भारी सुरक्षा वाले, पुलिस स्टेशन के कंपाउंड में कूदी-
लेकिन सारी गोलियां बुलैट प्रूफ प्लास्टिक से टकरा कर बेकार हो गईं।
धांय धांय
धांय धांय
धांय धांय
कंपाउंड के दूसरे कोने में-
एक भयानक आकृति दूसरी तरफ से अंदर प्रविष्ट हुई।
कड़ड़ड़ड़ंम
हे भगवान ये... यह क्या चीज है?
पता नहीं! लेकिन इसके इरादे खतरनाक लगते हैं।
शूट हिम!
और दोनों पुलिस वालों की, गर्दन टूटने की आवाज हवा में गूंज उठी।
कड़ चटाक

वेरी गुड! प्लास्टो ने सब पुलिस वालों का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है!
अब यहां की बिजली उड़ानी है।
अंधेरे में पुलिस वाले कुछ नहीं देख पाएंगे।
पर ब्लैक कैट को अंधेरे में ज्यादा साफ दिखाई पड़ता है!
ब्लैक कैट ने इलेक्ट्रिक बॉक्स के ऊपर बैठी बिल्ली पर निशाना साधा-
DANGER
440V
इलेक्ट्रिक बॉक्स
और बिल्ली के पेट में बंधे बम के साथ-साथ, तारों के भी चिथड़े उड़ गए।
बड़ाम
धांय
पूरा पुलिस स्टेशन अंधकार में डूब गया।
अब प्लास्टो का कहर, अंधेरे में ही पुलिस वालों पर बरस रहा था।
और अंदर- ब्लैक कैट, नताशा के 'लॉक-अप' की तरफ बढ़ रही थी।
ध्रुव भी अपनी मोटरसाइकिल पर धूल उड़ाता हुआ, थाने की तरफ बढ़ रहा था।
उसको नताशा से कुछ जरूरी सवाल पूछने थे।

पर नताशा तो उड़न-छू होने वाली थी।
लॉक-अप के ताले में, स्टील का एक नुकीला पंजा घुसा।
क्लिक
और दरवाजा खुल गया।
कौन हो तुम?
ब्लैक कैट! मैं तुमको यहां से बाहर निकालने आई हूं!
प्लास्टो भी मेरे साथ है।
प्लास्टो! यानि... तुमको शेबो ने भेजा है।
यही समझ लो! जल्दी करो! वक्त कम है!
मैं ऐसे यहां से नहीं जाऊंगी।
अभी मुझे उन सबसे बदला लेना है, जिन पर मैंने भरोसा किया...
पर उन्होंने मेरा यकीन नहीं किया।
इसको समझाने का वक्त नहीं है।
ब्लैक कैट का शरीर नताशा की तरफ उछला।
मगर नताशा कम फुर्तीली नहीं थी।
धड़ाक
पर ब्लैक कैट का निश्चय अडिग था।
और उसको अंधेरे में ज्यादा साफ दिखता था।
ठड़ाक
नताशा पर काबू पाने में उसे ज्यादा समय नहीं लगा।
कड़ाक

कुछ ही पलों बाद- ब्लैककैट, नताशा को लेकर उसी रास्ते से बाहर जा रही थी, जिससे वह अंदर आई थी।
पर तभी दोनों का बदन एक हैडलाइट की रोशनी में नहा गया।
ध्रुव, पुलिस स्टेशन तक आ पहुंचा था।
अरे! यह तो ब्लैक कैट है। और यह नताशा को लेकर भाग रही है!
मैं ऐसा हर्गिज नहीं होने दूंगा।
पर ध्रुव के कुछ कर पाने से पहले ही, एक भयानक वार ने उसको दर्द से दोहरा कर दिया।
धड़ाम
प्लास्टो के रहते, कमांडर नताशा को, रोबो सर तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता!
ईयायायाया
और तुमको यमराज तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता!
रोबो! यानि यह सारा षड्यंत्र रोबो का रचा हुआ है!
और यह नमूना भी रोबो का ही जमूरा है।
पर इसका सामना आज ध्रुव से...
आऽऽह
इसका बदन बुलैट प्रूफ प्लास्टिक से ढका लग रहा है।
ठक
इसकी ताकत भी अमानवीय...
आऽऽऽऽ
एक किक से, ध्रुव का बदन, हवा में उड़ता हुआ-

इलैक्ट्रिक बॉक्स के तारों से आ टकराया।
आईआ!!!!!!
धुव को एक जोरदार झटका लगा।
तारों में अब भी करेंट आ रहा था।
झटका लगते समय, धुव का पूरा बदन हवा में था।
इसलिए यह झटका घातक तो सिद्ध नहीं हुआ-
पर उसने धुव की सारी ताकत चूसली थी।
अब मैं तेरा काम तमाम करके ही जाऊंगा, मच्छर।
तूने रोबो सर का रास्ता कई बार काटा है।
अब तू मरने का सामान बांधले।
धुव ने अपने अधमरे जिस्म की सारी इच्छा-शक्ति बटोरी।
और जिंदा बिजली के तार प्लास्टो के खुले मुंह में जा घुसे।
हा हा हा हा हा ऽऽऽ
ओह! धुव, प्लास्टो पर हावी हो रहा है...
मुझे प्लास्टो को बचाना होगा। क्योंकि सिर्फ वही रोबो का पता जानता है।
एक और बिल्ली नीचे कूदकर-
- धुव और प्लास्टो की तरफ लपकी।
धांय
और एक गोली बिल्ली की तरफ!

फिर क्या हुआ?

क्या प्लास्टो और ब्लैक कैट ध्रुव का अंत करने में सफल हो गए थे?
क्या नताशा अपराध की दुनिया में वापस चली गई?
ब्लैक कैट कौन है? और उसका असली मकसद क्या है?
और सबसे बड़ा सवाल- कि इस सारे हादसे के दौरान चंडिका कहां थी?
जानने के लिए पढ़ें-

रोबो का प्रतिशोध

शीघ्र प्रकाशित हो रहा है।